वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 167 | बुधवार 12 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जवाहर कला केंद्र में सजी लोक नृत्यों की महफिल

नजर आई विभिन्न प्रदेशों की लोक संस्कृति की झलक, प्रस्तुतियों ने जीता दर्शकों का दिल

जयपुर. कासं

जवाहर कला केंद्र की ओर से आयोजित लोकरंग महोत्सव का मंगलवार, 11 अक्टूबर को दूसरा दिन रहा। शिल्पग्राम में लगे राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में दस्तकारों के हुनर को सराहने के साथ ही आगंतुकों ने विभिन्न लोक कला प्रस्तुतियों का आनंद लिया। इधर, मध्यवर्ती में राजस्थान समेत सात राज्यों के लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का दिल जीता।

मेले में मनोरंजक गतिविधियां

दिनभर हस्तशिल्प मेले में आगंतुकों की आवाजाही जारी रही। एक ओर जहां जादूगरी देखकर लोग रोमांचित हुए, वहीं उन्होंने बालम छोटो सो, गरासिया नृत्य, डेरु वादन और चरी नृत्य की प्रस्तुतियों का आनंद लिया। विभिन्न राजस्थानी अंचलों को समाहित करने वाले शिल्पग्राम में थपट्टम की प्रस्तुति के साथ तमिलनाडु की भव्य संस्कृति की झलक दिखाई दी।

म्हारो हेलो सुनो जी रामा पीर..

मध्यवर्ती में प्रसिद्ध तेरहताली नृत्य के साथ महफिल सजी। म्हारो हेलो सुनो जी रामा पीर.. गीत पर पारंपरिक नृत्य के साथ करतब देख लोग रोमांचित हुए। इसके बाद फागुन महीने में उत्तर प्रदेश में किया जाने वाला झूमर नृत्य पेश किया गया। गुजराती गीतों की मधुरता, चेहरे पर हर्ष और कोरियोग्राफी में नए प्रयोगों के साथ कच्छी गरबा की प्रस्तुति दी गई। इसमें अतिथि सत्कार का संदेश दिया गया। तमिलनाडु में मांगलिक अवसरों पर होने वाले प्रसिद्ध साटेकुचीअट्टम की प्रस्तुति ने दर्शकों में ऊर्जा का संचार किया। नादस्वरम, थविल जैसे वाद्य यंत्रों की द्रुत ध्वनि से सामंजस्य बैठाकर आंखों पर पट्टी बांधकर साटे (छड़) के साथ नृत्य किया गया।

870 रसोइयों से अब तक 7.42 करोड़ थालियां परोसी: सीएम ने दिए निर्देश

एमएलए हर माह खाएंगे खाना, क्वालिटी में सुधार कराएंगे

जयपुर. कासं। राजस्थान के शहरों में चल रही 870 इंदिरा रसोइयों के खाने की गुणवत्ता सुधार के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नई जिम्मेदारी तय की है। सभी जिलों की 870 इंदिरा रसोइयों का अब हर माह भाजपा, कांग्रेस या किसी भी पार्टी एवं निदर्लीय विधायक निरीक्षण करेंगे। वे इंदिरा रसोई का खाना खाएंगे और गुणवत्ता सुधार करवाएंगे। ये निर्देश मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को शहरी योजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। साथ ही पूरे प्रदेश में इंदिरा रसोई की संख्या 1000 करने के भी अफसरों को निर्देश दिए।

विधायकों को कहा- महीने में एक दिन उन्हें इंदिरा रसाई में जाकर भोजन करना होगा। इससे भोजन की गुणवत्ता भी बनी रहेगी और निरीक्षण भी हो जाएगा। यह महत्वपूर्ण निर्णय इसलिए लिया गया है ताकि आम जन को यह भरोसा हो कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण, पौष्टिक भोजन मिलता रहेगा। इसके शहरों में मनरेगा की तर्ज पर शुरू की गई इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना को लेकर सीएम ने विशेष निर्देश दिए। इसमें सामने आया कि अब तक 3.02 लाख परिवारों ने पंजीयन कराया है और 66 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। शहरी रोजगार गारंटी योजना को लेकर सीएम ने कहा कि 800 करोड़ रुपए के बजट से संचालित इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना में अब तक शहरी क्षेत्र के 3.02 लाख से अधिक परिवारों ने योजना के अन्तर्गत पंजीकरण करवाया है और वर्तमान पखवाड़े में लगभग 66 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में 6905 स्वीकृत कार्यों में से 2175 कार्य प्रगतिरत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में स्वच्छता संबंधी कार्यों को प्राथमिकता देने के साथ ही पर्यावरण व जल संरक्षण कार्य, ठोस कचरा प्रबंधन कार्य, अतिक्रमण एवं अवैध बोर्ड/होर्डिंग्स हटाने का कार्य, हैरिटेज संरक्षण आदि कार्य किए जा रहे हैं।

वसुंधरा-पूनिया की रैली को प्रभारी अरूण सिंह का ग्रीन सिग्नल: कहा...

कोई भी निकाल सकता है, कहीं से भी यात्रा

जयपुर. कासं

प्रदेश भाजपा में पार्टी लाइन से हटकर नेताओं की यात्राओं-रैलियों को लेकर उठे विवाद को राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह ने यह कह कर शांत कर दिया है कि पार्टी का कोई भी वरिष्ठ नेता कहीं भी यात्रा निकाल सकता है। इस दौरान कार्यकर्ता जुटते हैं, तो इससे पार्टी को ही लाभ होता है। गौरतलब है कि पार्टी में अधिकृत और निजी यात्राओं को लेकर अक्सर विवाद सामने आते रहे हैं। हाल ही पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया पोकरण-रामदेवरा (जैसलमेर) की एक यात्रा निकालना चाहते थे, लेकिन उनकी यात्रा को अंदरखाने ही रोक दिया गया था। चूंकि वे पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हैं तो यह यात्रा

पार्टी की अधिकृत यात्रा ही मानी जाती। लेकिन तब अमित शाह के दौरे को देखते हुए पार्टी के नियमानुसार उन्होंने अकेले ही वो यात्रा पूरी की। वो करीब 11 किलोमीटर की यात्रा थी। पूनिया ने यह यात्रा अपनी उस मनोकामना के संदर्भ में की थी, जो उन्होंने वर्ष 2018 में आमेर (जयपुर) से अपनी जीत के लिए मांगी थी। उसका आभार जताने के लिए ही पूनिया ने रामदेवरा दरबार में धोक लगाई। उसके तुरंत बाद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने हाल ही बीकानेर, नोखा और चूरू क्षेत्र की यात्रा और सभाएं की तो उनकी यात्रा को भी पार्टी ने अधिकृत नहीं माना। लेकिन वहां कई वर्तमान और पूर्व विधायकों के यात्रा में शामिल होने और जबरदस्त भीड़ होने से पार्टी के भीतर और बाहर फिर से यात्राओं को लेकर चर्चा छिड़ गई है। वसुंधरा ने इस यात्रा और सभा के तुरंत बाद मंगलवार दोपहर हैलीकॉप्टर से जयपुर, टोंक, बूंदी, भीलवाड़ा, कोटा, बारां और झालावाड़ जिलों को हवाई दौरा किया। इस दौरे से राजे ने इन जिलों में गत दिनों बेमौसम हुई बरसात से फसलों के खराब होने का आंकलन किया। गौरतलब है कि कोटा, बारां, झालावाड़ जिलों की हाल ही पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी यात्रा की थी और बड़ी संख्या में उनके समर्थक जुटे थे। कोटा संभाग खासकर बारां-झालावाड़ राजे का प्रमुख कार्यक्षेत्र माना जाता है।

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

पूणार्हुति पर छाया भक्ति का रंग झूम उठे हजारों भक्त एक संग

व्यास पीठ से बच्चों को सनातनी संस्कार देने का संदेश, समझाया मित्रता का महत्व

पं. श्रीदेवकीनंदन ठाकुरजी महाराज के मुखारबिंद से श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णाहूति

भीलवाड़ा। हर चेहरा खुशी से सराबोर था और कदम थिरक रहे थे। बच्चें हो या बुर्जुग, संत हो या भक्त कोई नृत्य करने से पीछे नहीं रहना चाहता था। व्यास पीठ से कथा करा रहे पूज्य शांतिदूत पं. श्रीदेवकीनंदन ठाकुरजी महाराज रंग मत डाले रे सांवरिया म्हाने गुजर मारे रे भजन गा रहे थे तो एक साथ हजारों भक्तों ने नृत्य का ऐसा समा बांधा की कोई भी भक्ति रस के इस सागर में डूबने से खुद को नहीं रोक पाया। कथा पांडाल में भक्तों का सैलाब उमड़ा हुआ था और हर तरफ राधे-राधे की गूंज ही थी। ये नजारा मंगलवार शाम हनुमान टेकरी काठियाबाबा आश्रम में श्री टेकरी के हनुमानजी भागवत कथा समिति के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव की पूणार्हुति के अवसर साकार हो गया। ऐसा लगा मानों कथास्थल काठियाबाबा आश्रम ही नंदगांव और वृन्दावन बन गया हो। व्यास पूजन के साथ कथा की विधिवत पूणार्हुति हुई एवं कथा सुनने आए हजारों श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। अंतिम दिन मंच पर कथा के प्रेरणास्रोत हनुमान टेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने श्रद्धालुओं को द्वारिका लीला, सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष सहित विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से भागवत श्रवण का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा श्रवण का उद्देश्य सर्वकल्याण है। सात दिन में जो बात अच्छी लगी हो उसे दिल में उतारे और जो बात अच्छी नहीं लगी हो उसे यहीं छोड़ देना। सनातन धर्म के प्रति पूर्ण समर्पित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि बच्चों को अपने धर्म के प्रति गर्व से बताओं और उसे सनातन संस्कृति के प्रति जागरूक करों। सनातन धर्म पर गौरव का अहसास करने में कोई संकोच नहीं करे और गर्व से कहे हम सनातनी है। जो संस्कार पूर्वजों से आपको मिले वह बच्चों में जाने चाहिए उन्हें वेद पुराणा का ज्ञान होना चाहिए। ये कथाएं हमे सही रास्ता दिखाती है कि जीवन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। कथा के दौरान मंच पर हनुमान टेकरी महंत बनवारीशरण काठियाबाबा, महंत गोपालशरण काठियाबाबा झांसी, महंत राधारमण शरण काठियाबाबा गोरधन,संकट मोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज, निम्बार्क आश्रम के महंत मोहनशरण, घोड़ास के महंत मंगलदासजी आदि का भी सानिध्य रहा। आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी राजेश तोषनीवाल ने बताया कि मुख्य अतिथि राजस्थान बीज निगम के अध्यक्ष (राज्यमंत्री) धीरज गुर्जर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश चन्द्रप्रकाश श्रीमाली, आयोजन समिति के संरक्षक रामपाल सोनी, त्रिलोकचंद छाबड़ा, संगम ग्रुप के एसएन मोदानी, जिला परिवहन अधिकारी रामकिशन चौधरी, जिला लोक अभियोजक कुणाल ओझा, दैनिक भास्कर भीलवाड़ा के सम्पादक नरेन्द्र जाट का व्यास पीठ पर श्री ठाकुरजी ने शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। विशिष्ट अतिथि जादूगर आंचल, गिरधारी कुमावत, दिलीप तोषनीवाल रहे। व्यास पीठ की आरती करने वाले यजमानों में तेजसिंह पुरावत, राधेश्याम चेचाणी, कैलाश कोठारी, श्यामसुंदर नौलखा, आशीष पोरवाल, राजेन्द्र कचोलिया, कैलाश काबरा, अशोक बाहेती, हेमेन्द्र शर्मा, राकेश दरक, सत्यनारायण मूंदड़ा, राहुल डाड, जितेन्द्रसिंह पुरावत, बालमुकुन्द सोनी, विजयसिंह पुरावत, दीपिका कंवर, सत्यप्रकाश राठी, भगवतीलाल हिंगड़, अशोक गट्टाणी, किशन चौधरी, करणसिंह बैलवा, रघुनंदन कानावत, राजकुमार शर्मा आदि शामिल थे। आयोजन समिति की ओर से अनिल भदादा, अनिल सुथार, महेश सोमानी, पंकज पोरवाल, गणपत खारीवाल, ओमप्रकाश गंदोडिया, अमन मूंदड़ा, पूरण पुरावत, जीवन कंवर, मुस्कान पुरावत, दिव्या भट्ट, सुनीता कंवर, मीना भट्ट, उषा शर्मा, चारूल भट्ट, ओमप्रकाश लढ़ा, जगदीश लढा, गोपाल बिड़ला, शिव मण्डोवरा, अशोक शारदा, लादूलाल सोनी, सौरभ पारीक, रामपाल शर्मा, कृष्णादेवी जाजू, कौशल्या गांधी, कैलाश खोईवाल, रामेश्वर चौधरी, रामेश्वरलाल सोडानी, पार्थ गौतम, अरूण पांडे, नारायण प्रजापति आदि का भी दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस भव्य भक्तिमय आयोजन की मंच व्यवस्था संभालने में आयोजन समिति के राधेश्याम चेचाणी, कैलाश कोठारी, तेजसिंह पुरावत, राजेन्द्र कचोलिया, श्यामसुंदर नौलखा, आशीष पोरवाल, हेमेन्द्र शर्मा, कैलाश काबरा, सत्यनारायण मूंदड़ा,राहुल डाड, राकेश दरक आदि पदाधिकारी समर्पित भाव से जुटे रहे।

नहीं भूल पाऊंगा भीलवाड़ा वासियों का प्यार, हर वर्ष आने की भावना

कथा के अंतिम दिन कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने भीलवाड़ा वासियों की जमकर सराहना करते हुए कहा कि भीलवाड़ा पहली बार आया लेकिन यह जगह बहुत अच्छी एवं प्यारी लगी। भीलवाड़ा वासी कन्हैया के दीवाने है। भागवत कथा श्रवण की ललक से भीलवाड़ा के बाहर से भी बड़ी संख्या में भक्तजन आए। सच्चा रसिक वहीं है जो कथा सुनने से कभी तृप्त नहीं होता बल्कि अतृप्ति और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि कथा सुनाने के लिए मेरी तो बार-बार भीलवाड़ा आने की इच्छा है। हम ऐसा मन बना रहे है कि भीलवाड़ा में हर वर्ष आया करें। भगवान के नाम से ही सारे पाप समाप्त हो सकते है। मरने से पहले भगवान के नाम का आश्रय ले लो उसके अलावा कोई नहीं बचा सकता।

जग में मित्रता हो तो कृष्ण-सुदामा जैसी

भागवत कथा के अंतिम दिन श्री देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज सुदाम चरित्र प्रसंग सुनाते हुए मित्रता की परिभाषा समझाते हुए कहा कि वर्तमान में सच्चे मित्र मिलना दुर्लभ है, जग में मित्रता हो तो कृष्ण-सुदामा जैसी। सुदामा के चरणों का कांटा भगवान ने अपने मुख से निकाला। वर्तमान युग में ऐसा कौन है जो मित्र के दुःख को बांटने के लिए अपने सुख छोड़ दे। संसार वाले तो मित्रता की आड़ में कांटे चुभाते है लेकिन कांटे निकालने का कार्य भगवान गोविन्द करता है। मित्र उसी को बनाना चाहिए जिसका मन पवित्र हो। उन्होंने जब दरिद्र सुदामा के द्वारिकाधीश भगवान कृष्ण से मिलने आने और भगवान द्वारा जल की बजाय आसूंओं से सुदामा के चरण धोने का प्रसंग सुनाया तो माहौल भावनापूर्ण हो गया। उन्होंने कहा कि दरिद्र वहीं है जिसके पास भगवान रूपी धन नहीं है। आप से धर्म नहीं होता तो मत करों लेकिन जो धर्मरक्षा में लगा उसका तन-मन-धन से साथ दो।

दक्षिणा में मांगा बनेंगे सनातनी, ठाकुरजी की पूजा व माथे पर तिलक

कथा समापन पर श्री देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने कहा कि ऐसी परम्परा है कि कथा पूणार्हुति पर व्यासपीठ पर विराजित को दक्षिणा दी जाती है। उन्होंने कहा कि मुझे मेरे लिए कुछ भी नहीं चाहिए बस दक्षिणा देनी है तो एक ही दो कि हम सनातनी बनेंगे। हर घर में ठाकुर पूजा की परम्परा को जीवित रखेंगे। हमारे माथे पर एवं बच्चों के माथे पर प्रतिदिन तिलक होगा। उन्होंने कहा कि संसार में किसी से मत मांगना जब भी मांगना गोविन्द से मांगना। उससे बढ़कर देने वाला कोई नहीं है। दरिद्रता का हरण केवल भगवान गोविन्द ही कर सकते है। भगवान के चरित्र से सीखना होगा बड़ा कैसे बना जाता है। किसी को गिराकर नहीं खुद कष्ट सहकर बड़ा बना जा सकता है। लक्ष्मी का सदुपयोग करों वह कभी छोड़कर नहीं जाएगी। जिसके साथ भगवान उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता।

जेएसजी महानगर ग्रुप द्वारा जेकेजे डांडिया 2022 सम्पन्न

भगवान महावीर की 1008 दीपकों से हुई आरती। किड्स फैशन शो एवं दंपति सदस्यों का रेम्प वाक भी किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप इंटर नेशनल फैडरेशन नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में जैन सोश्यल ग्रुप महानगर का 20वा जेकेजे डांडिया दीपोत्सव 2022 महावीर स्कूल, सी स्कीम, जयपुर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य सयोजक दीपेश- अलका छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में भगवान महावीर की 1008 दीपकों से आरती कर दीपोत्सव मनाया। साथ ही डांडिया एवं गरबा का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर किड्स फैशन शो एवं दंपति सदस्यों का रेम्प वाक भी किया गया। ग्रुप अध्यक्ष संजय छाबड़ा ने बताया कि दीपोत्सव कार्यक्रम का उदघाटन जतीन मोसून ने किया। समारोह के अध्यक्ष दीक्षांत हाडा, मुख्य अतिथि श्रीमती ममता सौगाणी एवं दीप प्रज्वलनकर्ता सुनील जैन पहाड़िया (वर्धमान) थे। इस कार्यक्रम में जयपुर में स्थित जैन सोश्यल ग्रुप अरिहंत, सिद्धा, मेट्रो, राजधानी, जनक, अप टु डेट के साथ साथ दिगम्बर जैन सौशल ग्रुप सन्मति, राजस्थान जैन युवा महासभा, रोटरी क्लब नॉर्थ आदि अनेक संस्थाओ की सहभागिता रही। कार्यक्रम में श्रीमती अर्चना शर्मा, अध्यक्ष राजस्थान समाज कल्याण बोर्ड, सुभाषचंद्र जैन, अध्यक्ष, विनोद जैन कोटखावदा मन्त्री, राजस्थान जैन सभा, राजीव जैन गाजियाबाद, विनय सौगाणी, जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल

फैडरेशन के पूर्व अध्यक्ष कमल सचेती, सचिव सी एस जैन, राकेश गोदिका सम्पादक शाबाश इण्डिया, राजेंद्र डाबरिया, चैयरमेन, महेंद्र सिघवी, महेंद्र गिरधरवाल, पूर्व चैयरमेन, राजीव पाटनी, वाइस चैयरमेन, नॉर्दन रीजन आदि की उपस्थिति ने कार्यक्रम को चार चांद लगा दिये। प्रदीप जैन, संस्थापक अध्यक्ष, जैन सौशल ग्रुप महानगर ने पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम का मंच संचालन रवि प्रकाश जैन, पूर्व अध्यक्ष जैन सोश्यल ग्रुप महानगर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में लकी ड्रॉ, किड्स फैशन शो पुरस्कार, डांडिया पुरस्कार, हाउजी पुरस्कार का वितरण करते हुए महानगर ग्रुप सचिव अनुज जैन ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

वेद ज्ञान

सदाचार की पूजा

सोचना कुछ, कहना कुछ और करना कुछ, इसी को वैचारिक दृष्टि से असत्य कहा जाता है। सार्वजनिक जीवन में आदर्श की बातें करना और व्यक्तिगत जीवन में उसके विपरीत आचरण करने को ही असत्य और झूठ-फरेब कहा जाता है। झूठ-फरेब करने वाला सोचता है कि वह बहुत फायदे में है और बहुत जल्द उपलब्धियों के मुकाम पर पहुंच जाएगा, लेकिन उसे नहीं पता कि इस झूठ-फरेब की वह कितनी बड़ी कीमत चुकाता है। झूठ के चलते अक्सर परिवार में कलह, द्वंद्व, कटुता और अमर्यादा का बोलबाला हो जाता है। शास्त्रों के अनुसार एक झूठ से असत्य बोलने वाले व्यक्ति के कई पुण्य समाप्त हो जाते हैं। ठीक वैसे ही जैसे टूटे बर्तन में कोई तरल पदार्थ रखा जाए तो वह धीरे-धीरे बह जाता है। लोक-जीवन में घर-घर में कुशल-मंगल के लिए लोग मनौतियां मानते हैं और परिवार के लोग उसे पूरा करने के लिए भगवान की शरण में जाते है और काफी पैसा खर्च कर आध्यात्मिक अनुष्ठान करते हैं। इन सारे अनुष्ठानों में सत्य और सदाचार के भाव होते हैं। किसी ग्रंथ में झूठ-फरेब बोलने के श्लोक, मंत्र, भजन नहीं होते। पूजा तो सदाचार की होती है, लेकिन पूजा करने वाले के मन में जब अहर्निश असत्य, छल-कपट होता है तो फिर भगवान एवमस्तु और तथास्तु कैसे कह देंगे? यह सामान्य दिमाग से सोचा जा सकता है। यदि भगवान एवमस्तु कहते भी हैं तो इसका मतलब है, हम झूठ-फरेब की जो गतिविधियां दूसरों के साथ कर रहे हैं वही हमारे साथ भी होंगी। धर्म-ग्रंथों में कहा गया है कि झूठ का खामियाजा अंततः व्यक्ति को भुगतना पड़ता है। रामचरितमानस में भी श्रीराम आदर्श के प्रतीक हैं। पूजा श्रीराम की करें और आचरण रावण का तो इससे बड़ा विरोधाभास दूसरा कोई नहीं हो सकता। झूठ-फरेब से बना आलीशान बंगला एक दिन हमें और हमारे परिजनों को डराने लगता हैं। इसके अलावा झूठ-फरेब के बल पर मिली उपलब्धियों और मान-सम्मान की कलई खुलने का डर भी धीरे-धीरे मन में समाने लगता है। सच तो यह है कि एक झूठ को छिपाने के लिए अनेक झूठ बोलने पड़ते हैं। बस भय-मिश्रित यह स्थिति तनाव की जननी बन जाती है और यह जननी क्रोध, चिड़चिड़ापन, उलझन, डिप्रेशन, गाली-गलौज और असहजता रूपी ढेरों कुपुत्रों की फौज खड़ा कर देती है और व्यक्ति किसी और से नहीं, बल्कि इन्हीं वैचारिक समस्याओं से परेशान हो जाता है।

संपादकीय

बोलते वक्त विचार क्यों नहीं करते?

अक्सर राजनेता और सरकारों में जिम्मेदार पदों का निर्वाह कर रहे लोग सार्वजनिक मंचों पर बोलते वक्त यह विचार करना भूल जाते हैं कि उनकी बातें मुंह से निकलेंगी, तो कितनी दूर तक जाएंगी। उनका मकसद अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी पर वार करना अधिक होता है। मगर इस तरह कई बार उनकी बातों या बयानों से सामाजिक ताने-बाने पर असर पड़ना शुरू हो जाता है। अपने विपक्षी पर किया वार पलट कर उन्हीं को आ लगता है। यही हुआ दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम के साथ। कुछ दिनों पहले दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम का एक वीडियो प्रसारित हुआ, जिसमें कुछ लोग कथित रूप से शपथ लेते दिखाई देते हैं कि वे हिंदू देवी-देवताओं को नहीं मानेंगे, न उनकी पूजा करेंगे। उस कार्यक्रम के मंच से दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री भी यह

शपथ लेते या दिलाते नजर आते हैं। इसे लेकर भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर हमला शुरू कर दिया है। गौतम के खिलाफ थाने में शिकायत भी दर्ज कराई गई है। जब यह मामला तूल पकड़ने लगा तो पहले गौतम ने सफाई दी कि वे भगवान बुद्ध के अनुयायी हैं और उनकी आस्था को संवैधानिक रूप से चुनौती नहीं दी जा सकती, भाजपा इसे नाहक तूल दे रही है। फिर उन्होंने कहा कि वे सभी देवी-देवताओं के प्रति सम्मान रखते हैं। दबाव बढ़ने पर उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। इन दिनों दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और भाजपा के बीच तनातनी तेज है। दिल्ली सरकार की कथित अनियमितताओं के खिलाफ जांच चल रही है और इस पर अक्सर दोनों पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ खड्गहस्त नजर आती हैं। ऐसे में गौतम के बयान ने भाजपा को हमले का एक आसान मौका मुहैया करा दिया है। भाजपा धर्म से जुड़े हर विषय पर आक्रामक रुख अपनाती और उसके जरिए जनाधार मजबूत बनाने का प्रयास करती रही है। गौतम के बयान को लेकर भी वह अब मैदान में है। स्वाभाविक ही इस मामले में आम आदमी पार्टी को पलट कर हमला करते नहीं बन रहा है। इस समय पूरे देश में धर्म एक संवेदनशील मसला बना हुआ है। उस पर कोई भी रुख सोच-समझ कर लेना पड़ता है। मगर गौतम ने इस पर विचार नहीं किया कि उनके विचारों से भाजपा को कितना लाभ मिल सकता है। बताया जा रहा है कि उनसे दिल्ली के मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल नाराज हैं। मगर हैरानी की बात है कि उन्होंने अब तक न तो गौतम के खिलाफ कोई कार्रवाई की, न उन्हें कोई नसीहत दी और न ही भाजपा के हमलों पर बचाव किया है। जिम्मेदार पदों का निर्वाह कर रहे लोगों से स्वाभाविक अपेक्षा रहती है कि वे सार्वजनिक जीवन में संतुलित और मर्यादित आचरण करें। बेशक बौद्ध धर्म और भीमराव आंबेडकर के विचारों का पालन करने वाले लोग हिंदू देवी-देवताओं में विश्वास न करते हों, पर यह उनकी निजी आस्था तो हो सकती है, इस आधार पर उन्हें सार्वजनिक रूप से किसी की आस्था को चोट पहुंचाने का अधिकार नहीं मिल जाता। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आरक्षण का दायरा

हालांकि इस बीच विभिन्न मानकों के मुताबिक समाज के कई तबकों को आरक्षण के दायरे में लाया गया, मगर भारत में जटिल सामाजिक बनावट के चलते किसी व्यवस्था के मामले में अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचना मुश्किल रहा है। मसलन, लंबे समय से यह विवाद का विषय रहा है कि हिंदू पहचान से अलग होकर अगर कोई दलित व्यक्ति किसी अन्य धर्म को अपना लेता है तो उसे आरक्षण की सुविधा मिलनी चाहिए या नहीं। दरअसल, इस सवाल का स्रोत वह व्यवस्था है, जिसमें अगर कोई हिंदू दलित अपनी धार्मिक पहचान को त्याग कर बौद्ध या सिख धर्म की दीक्षा ले लेता है तो उसे आरक्षण की सुविधा पूर्ववत मिलती रहती है, लेकिन अगर उसने ईसाइयत या इस्लाम का दामन थामा तो इस दायरे से बाहर हो जाएगा। इसे सामाजिक कारणों से मिलने वाले आरक्षण में विभाजित दृष्टि बताते हुए ईसाई और मुसलिम बने दलितों के लिए भी आरक्षण का प्रावधान करने की मांग की गई थी। इस मसले पर एक याचिका लंबे समय से अदालत में है और सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई से पहले केंद्र सरकार से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। मगर केंद्र सरकार के ताजा फैसले से लगता है कि वह जल्दबाजी में नहीं है। शुक्रवार को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश केजी बालकृष्णन की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन कर दिया, जो उन नए समूहों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की जांच करेगा जो ऐतिहासिक रूप से इस वर्ग से संबंधित होने का दावा करते हैं, मगर संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत राष्ट्रपति के आदेशों में उल्लिखित धर्मों के अलावा किसी अन्य धर्म में दीक्षित हो गए हैं। यों दलित समुदाय के उन लोगों के लिए भी आरक्षण की मांग होती रही है, जिन्होंने किसी वजह से ईसाई और इस्लाम धर्म अपना लिया था। इसकी वजह यह बताई गई कि चूंकि इन दोनों धर्मों में मतांतरित होने के बावजूद दलितों की सामाजिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया और उन्हें वहां भी जातिगत वंचना से आजादी नहीं मिली, इसलिए उन्हें आरक्षण से वंचित रखने के प्रावधान पर पुनर्विचार हो। इसके अलावा, इस संदर्भ में अगर अनुसूचित जनजातियों के लिए यह नियम शिथिल है, तो अनुसूचित जातियों को भी आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। जाहिर है, यह एक जटिल मुद्दा रहा है और इस पर विस्तृत अध्ययन के बाद ही यह सुनिश्चित हो सकेगा कि ईसाई और इस्लाम में मतांतरित दलितों को अनुसूचित जाति के लिए निर्धारित आरक्षण का लाभ मिले या नहीं। इस मसले पर एक आपत्ति यह जताई जाती रही है कि अगर मौजूदा ढांचे में ईसाई और इस्लाम अपनाने वाले दलितों को शामिल किया गया, तो पहले से ही इस समूह की कमजोर जातियों के लिए आरक्षण का दायरा और अवसर कम हो जाएंगे। इसके मद्देनजर एक विकल्प यह दिया जाता रहा है कि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण में उप-वर्ग का प्रावधान करके ईसाई और मुसलिम दलितों के लिए व्यवस्था की जा सकती है लेकिन यह देखने की बात होगी कि अन्य पिछड़ा वर्ग की तरह अनुसूचित जाति वर्ग में भी क्या ऐसी व्यवस्था संभव होगी। बहरहाल, अब यह इस पर निर्भर लगता है कि लंबे समय से इस उलझे हुए मुद्दे के हल के लिए गठित आयोग क्या सुझाव देता है। स्वाभाविक ही सरकार से यह अपेक्षा होगी कि वह इस पर अपना रुख स्पष्ट करे, ताकि कोई सर्वमान्य समाधान सामने आने का रास्ता साफ हो।

दस दिवसीय विश्व शांति महायज्ञ मुनि श्री विशल्य सागर जी के सानिध्य में सम्पन्न

झुमरी तिलैया. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन समाज के द्वारा आयोजित 10 दिवसीय विश्व शांति महायज्ञ समोसरण कल्पद्रुम महा विधान आज जैन संत गुरुदेव विशल्य सागर जी के सानिध्य में हुआ संपन्न । यज्ञ विधान में शामिल पात्र चक्रवर्ती, सोधर्म इंद्र, कुबेर और भक्त जनों ने लाखों मंत्रों की आहुति हवन कुंड में देकर पूरे विश्व, नगर समाज में सुख शांति की कामना की, छत्तीसगढ़ रायपुर से आए विद्वान प्रतिष्ठाचार्य अजीत जैन शास्त्री ने हवन आदि की संपूर्ण क्रिया संपन्न कराई।देवघर से धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष ताराचंद जैन इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

जैन संत गुरुदेव विशल्य सागर जी के सानिध्य में श्रद्धालु भक्तों के साथ विशाल शोभायात्रा दिव्य घोष बैंड टीकमगढ़ मध्य प्रदेश, बग्गी, घोड़ा, झांकी टोटो गाड़ी, बैंड, जैन स्कूल बच्चों का बैंड, भांगड़ा ताशा पार्टी, बोकारो झारखंड ताशा पार्टी, के साथ निकाली गई,भक्तजन केसरिया वस्त्र और श्वेत वस्त्र में साथ साथ चल रहे थे इस महायज्ञ धार्मिक अनुष्ठान में सम्मेद शिखर पारसनाथ से लाए हुए भगवान की 100 प्रतिमा को भक्तजन नंगे पांव अपने सिर पर साथ में लेकर चल रहे थे।

गंधकुटी मे भगवान की प्रतिमा लिए भक्तजन , महिलाएं नृत्य और संगीत के द्वारा प्रभु का गुणगान कर रहे थे। जगह जगह श्रद्धालुओं ने भगवान और गुरुदेव की आरती उतारी । पूरा शहर जैन धर्म और भगवान के जयकारे और गुरुदेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया । पूरे भारतवर्ष से गुरुदेव के भक्त इस अनुष्ठान में शामिल हुए । यह शोभायात्रा नया मंदिर पानी टंकी रोड यज्ञ अनुष्ठान स्थल से शहर के मुख्य मार्गों का भ्रमण करते हुए स्टेशन रोड जैन मंदिर पहुंची । जहां भगवान का विश्व शांति मंत्रों से शांति धारा अभिषेक किया गया । झंडा चौक पर कोडरमा की विधायक डॉ नीरा यादव इस शोभायात्रा में शामिल हुई, और समाज के लोगों को बधाई दी, शोभायात्रा में उन्होंने भगवान की आरती की और गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूज्य गुरुदेव राजकीय अतिथि 108 विशल्यसागर जी गुरुदेव ने अपने अमृत प्रवचन पीयूष वाणी में कहा कि जैन धर्म हमेशा संसार के सभी प्राणी सुखी रहे ऐसी कामना करता है ।इसी उद्देश्य इस तरह के बड़े धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ आदि किए जाते हैं । नगर समाज के सभी प्राणी सुख शांति, निरोगी काया प्राप्त करें यही कामना की जाती है। कोडरमा जिला झुमरी तिलैया नगरी धर्म की नगरी है यहां पर हमेशा साधु संतों का प्रवास होते रहता है। मेरा यह आशीर्वाद है कि सभी लोग सुखी हो शांतिमय भाईचारा का जीवन व्यतीत करें। शोभायात्रा में भक्तजन भगवान को अपने माथे पर लेकर चल रहे थे, इंद्रदेव के द्वारा वर्षा से भगवान का अभिषेक हो गया लोग हर्षित और आनंदित हो गए , डॉ कमलेश जैन भजन तिजारा राजस्थान,अलका दीदी ,भारती दीदी, पंडित अभिषेक शास्त्री ने महायज्ञ के पूजन विधान में अपना सहयोग प्रदान किया । इस विश्व शांति महायज्ञ को सफल बनाने में कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र झाझंरी, चतुर्मास के संयोजक सुरेंद्र काला, समाज के अध्यक्ष प्रदीप जैन पांड्या, मंत्री ललित जैन शेट्टी, उपाध्यक्ष कमल सेठी उप मंत्री राज छाबड़ा, दिलीप बाकलीवाल, सुनील शेट्टी, सुरेश झाझंरी, सुशील जैन छाबड़ा, किशोर जैन पांड्या दिल्ली, सरोज जैन, प्रदीप मीरा छाबड़ा, सुबोध-आशा गंगवाल, हनुमान पाटनी, जयकुमार गंगवाल, मनीष सेठी, सुरेश शेट्टी, निवर्तमान पार्षद पिंकी जैन, सुनील छाबड़ा मंगलम ग्रुप, पीयूष कासलीवाल परिवहन विभाग, अजय सेठी, जैन युवक समिति, नीलम सेठी, महिला समाज, मनोज, रुपेश छाबड़ा, ऋषभ सेठी, विकास पाटोदी, सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक सुनीता सेठी, लोकेश, दीपाली पाटोदी टीम, आवास विभाग टीम, और समाज के सैकड़ों लोगों ने सहयोग प्रदान किया यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा, नविन जैन ने दी ।

प्रत्येक द्रव्य की अपनी-अपनी सत्ता है: आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में आचार्य गुरुवर सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित भट्टारक जी की नसिया में चातुर्मास हेतु विराजमान है। आज प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ। उपस्थित सभी श्रावको ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। आज प्रातः बेला में आर्यिका 105 श्री आकाश मति माताजी एवं संप्रेक्ष मति माताजी तथा क्षुल्लिका समभाव मति माताजी एवं संरक्षमति माताजी का केश लोंच हुआ। सन्मति सुनील सभागार मे सेन्य अधिकारी जितेन्द्र जैन अनिल शास्त्री, राजेन्द्र पापडीवाल व बाहर से आए सभी श्रावको ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलाचरण व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि बाहर से पधारे अतिथि महानुभावों ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया धर्म सभा मे आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन जितेन्द्र जैन व विकास बडजात्या ने किया। गुरुवर को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। मुनिश्री सर्वार्थ सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में श्रावकों को बताया जैन साधु क्या है, कैसे हैं, किस तरह से चर्या का पालन करते हैं किस तरह से रहते हैं ,किस तरह का उनका त्याग है, किस तरह की साधना करते हैं, खड़े रहकर आहार ग्रहण करते हैं। दिन में सिर्फ एक बार जल भी उसी समय ग्रहण करते हैं, जप तप संयम साधना, में दिगंबर साधु सरीखा अन्य कोई नहीं है। पूज्य आचार्य भगवंत ने अपनी वाणी से पर कल्याण की भावना से उद्बोधन देते हुए कहा वंदामी 24 जिनेशम्: सम्बन्ध और पानी एक समान होते हैं जिसमें रंग नहीं होते, खुशबू नहीं होती है। पर जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पानी भी है और संसारी जीवन में कोई संबंधी नहीं हो वह तो जीवन मुश्किल हो जाता है। दोनों ही बेश कीमती हैं। जिनकी सार संभाल रखिए जो साक्षात सामने दिख रहा है समक्ष में है। वृक्ष पौधे हमारी आत्मा इनका अस्तित्व है, जो अस्तित्ववाद नहीं है ,वह असत्य होगा यानी सत्ता में नहीं होगा। लोग कहते हैं एक ईश्वर की सत्ता है इस दुनिया में सब तरह के लोग हैं अपने हिसाब से सब को मानते हैं जिन दर्शन कहता है प्रत्येक द्रव्य की अपनी-अपनी सत्ता है कोई भी किसी का अस्तित्व मिटा नहीं सकता है। जिसके पास जितना परिग्रह है वह उतना ही विकल्पों का जीवन जीता जा रहा है। जिसके पास चैन है वह उतना ही बेचैन। यह समझना चाहिए कि जड़ के पीछे किसी चेतन को क्यों तकलीफ दी जाए।

अन्नदाता बनेगा अब ऊर्जादाता : विजयवर्गीय

अमन जैन कोटखावदा.शाबाश इंडिया

चाकसू/जयपुर। हमारा अन्नदाता अब भारतवर्ष की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए भागीदार बन ऊर्जादाता बनने वाला है। आधुनिक तरीके से खेती अपनाकर नैपियर घास का उत्पादन करेंगे, जिससे नवीन तकनीक से बायो सीएनजी गैस एवं जैविक खाद तैयार किया जाएगा। चाकसू में आयोजित किसान सम्मेलन में बोलते हुए विख्यात पर्यावरण विद एन जी विजयवर्गीय ने बताया कि चाकसू उपखण्ड में गुरुदयाल एफ पी ओ के तत्वावधान में लगने वाले प्रोजेक्ट में एग्रीकल्चर वेस्ट व सुपर नेपियर से बायोकोल व सीएनजी गैस का उत्पादन किया जाएगा। प्रारंभिक तौर पर सौ टन कच्चे माल की प्रतिदिन आवश्यकता होगी जो सदस्य किसानों की भूमि में उत्पादन किया जाएगा। उत्पादन के लिए आवश्यक जानकारी एवं संसाधन कृषकों को उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के प्रारंभ होने से किसानों की आय में बढ़ोतरी के साथ-साथ जैविक खेती, स्वच्छ भारत, आत्मनिर्भर भारत में इजाफा होगा व ग्लोबल वार्मिंग में कमी होगी।

रामगंजमडी युवा दल असहाय गरीब की मदद को सदा आगे

रामगंजमडी. शाबाश इंडिया

आज के दौर में स्वार्थपरता हावी है हर इंसान सिर्फ अपने लिए जी रहा है। दुखी निर्धन असहाय के प्रति मदद करे आगे आए ऐसा कोई नही सोचता। ऐसा वही सोच सकता है जिसके भीतर मानवता करुणा व संवेदना हो। ऐसा जज्बा है रामगंजमडी युवा दल में। जो नित्य प्रति ऐसे कार्य करती है जो सभी के लिए एक अनुकरणीय मिसाल बन जाते है। आज के दिन एक विधवा महिला को एक महीने का राशन दिलवाने का कार्य कर पूरे परिवार की दुआ रामगंजमडी युवा दल को मिली। यह वाकया हुआ सुबह अजय मीना पंचायत समिति सदस्य ने युवा दल सचिव लिटिल भाई को सुबह फोन करके बताया कि एक परिवार की माली हालत बहुत दयनीय है। आप इनकी मदद करें तो पुनीत का कार्य होगा। लिटिल भाई ने महिला को तुरंत बुलाया और एक महीने का पूरा राशन दिलवाया ओर नगद राशी भी दी। वह राशन सामग्री पाकर फूट फूट कर रो पड़ी ओर लिटिल भाई को दुआ देती रही। उन्होंने इस महिला को कहा हर महीने आकर राशन सामग्री ले जाना, यह एक मिसाल है और प्रेरणा है और मानवीय सवेदना से जुड़ा बिंदु है। ऐसी पहल ऐसे कार्य हम सबको करना चाहिए।

चार दिवसीय 17वें सीएल जयपुरिया मेमोरियल इंटर स्कूल टूर्नामेंट-2022 का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिल्ली पब्लिक स्कूल, जयपुर के तत्वावधान में 8 अक्टूबर से चल रहे चार दिवसीय ''17वें सीएल जयपुरिया मेमोरियल इंटर स्कूल टूर्नामेंट-2022'' का समापन विजेताओं को ट्रॉफी वितरण के साथ हुआ। इन प्रतियोगिताओं में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त 37 से भी अधिक प्रतिष्ठित विद्यालयों की 234 टीमों के 2000 से भी ज्यादा छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। विद्यालय की प्राचार्या रीटा पी. तनेजा ने बताया कि इस इंटर स्कूल खेल-टूर्नामेंट की शुरूआत साल 2006 में रवि जयपुरिया ने अपने पिताजी सीएल. जयपुरिया के समक्ष ही उनके सम्मान में की थी।मुख्य अतिथि प्रो वाईस चेयरपर्सन सुश्री देवयानी जयपुरिया रही। इस मौके पर देवयानी ने विद्यार्थियों को खेलों का महत्त्व व छात्र-जीवन में खेलों की उपयोगिता को समझाया। विद्यालय की प्रो वाइस चेयरपर्सन सुश्री देवयानी जयपुरिया ने इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक 44 अंक अर्जित करने पर नीरजा मोदी स्कूल की विजेता टीम को ''**सीएल. जयपुरिया मेमोरियल ट्रॉफी**'' देकर सम्मानित किया और दिल्ली पब्लिक स्कूल, जयपुर की टीम को रनरअप घोषित किया गया। डीपीएस के एकमिनिस्ट्रेशन एंड आपरेशन डीपीएस के वाइस प्रेसीडेंट कर्नल दीपक सहगल भी मौजूद रहे और उन्होंने सभी का आभार जताया। इसी के साथ अगले वर्ष फिर मिलने के वादे और तब तक खेल-भावना को जीवंत बनाए रखने के साथ टूर्नामेंट का समापन हुआ।

समय की कीमत करो : विज्ञाश्री माताजी

अमन जैन. शाबाश इंडिया

निवाई। परम पूज्य भारत गौरव आर्यिका विज्ञाश्री माता ने समय की परिभाषा बताते हुए कहा कि टाइम इज लाइफ समय ही जीवन है। टाइम इज मनी समय ही पैसा है। टाइम इज आत्मा समय ही आत्मा (ज्ञान दर्शन) है। समय को बर्बाद करना परमात्मा को आत्मा को पैसे को जीवन को बर्बाद करना है। आज के लोगों को समय की कीमत नहीं रही कहीं घंटे क्या सालों साल गपशप में व्यतीत कर देते किसी किसी के जीवन में समय की कीमत थी माताजी ने उदाहरण के माध्यम से स्पष्ट किया कि एक वर्ष की कीमत हम नहीं आंक सकते उस विधार्थी से जाकर मिलो जो साल भर रात रात भर चाय का काढ़ा पीकर जागते हैं और पेपर देते हैं। यदि रिजल्ट के आने पर फेल हो जाते हैं तो 1 वर्ष बर्बाद समझकर आत्महत्या कर लेते हैं। उसके जीवन में 1 वर्ष की कितनी कीमत थी। एक माह की कीमत उस मां से जाकर पूछो जिसने 8 माह के बच्चे को जन्म दिया उसे 1 माह की कीमत मां को अपने बच्चे की जान देकर चुकानी पड़ती है।

लायंस सेवा सप्ताह में लायंस क्लब जयपुर डायमंड द्वारा कैंसर अवेयरनेस पर कार्यक्रम आयोजित

अमन जैन कोटखावदा.शाबाश इंडिया

जयपुर। लायंस इंटरनेशनल द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के तहत लायंस क्लब जयपुर डायमंड द्वारा जयपुर के रावत पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर जयपुर में हेल्थी चाइल्ड हेल्थी नेशन के तहत चाइल्ड हुड कैंसर अवेयरनेस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे मनिपाल हॉस्पिटल, जयपुर के डॉक्टर्स के सहयोग से आयोजित एक परिचर्चा में स्कूल के लगभग 1000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया जिसका सभी के द्वारा बहुत आनंद लिया। नाटक के माध्यम से बहुत ही सरल भाषा में कैंसर का संदेश बच्चों को दिया, जिसके लिए नुक्कड टीम का सभी द्वारा अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक गवर्नर एमजेएफ लायन रोशन सेठी, फॉर्मर डिस्ट्रिक गवर्नर एमजेएफ लायन आलोक अग्रवाल, सर्विस वीक चेयरपर्सों एमजेएफ लायन अशोक जैन कॉटलर, पी.डी.जी अंजना जैन, लायन संजीव जैन, पी.डी.जी लायन गोविंद शर्मा, लायन विकास भाटिया, लायन सुनील ब्योत्रा, लायन प्रीती सक्सेना, लायन विमल बज, लायन सुधीर जैन, लायन रमेश, लायन अनिल बाफना, लायन अजय डोगरा, लायन ममता पंचोली, लायन शंकर सिंह, लायन पवन अग्रवाल और लायन विनय उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रांतपाल एमजेएफ लायन रोशन सेठी का जोन लायन सुनील ब्योत्रा को इंटरनेशनल पिन लगा सम्मानित किया।

कवि नमोकार का हुआ सम्मान

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। नगर के साहित्यकार कवि नमोकार जैन 'नमन' को मुंबई में सम्मानित किया गया। श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज के सुशिष्य अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के दीक्षा दिवस पर वृंदावन गार्डन बोरीवली, मुंबई में सुविख्यात कवि नरेंद्रपाल जैन के मुख्याथित्य में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वोरिवली मुंबई जैन समाज द्वारा नगर मुरेना में निवासरत कवि नमोकार जैन 'नमन' (गुढ़ा राज.) को साहित्यिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में छपरा म.प्र.के कवि मुकेश मनमौजी, मुंबई की गजलकार अलका शरर, कोटा से दिव्य कमलध्वज चंचू, नमोकार जैन 'नमन' ने अपने काव्यपाठ से सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम का संचालन जैन कवि संगम महाराष्ट्र की प्रदेश अध्यक्ष इंजि.विधी प्रवीण जैन, मुंबई ने किया। नमोकार जैन 'नमन' के सम्मान पर उनके सभी इष्टमित्रों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

रानी बाग में संपन्न
शरद पूर्णिमा महोत्सव

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, रानी बाग, दिल्ली में शरद पूर्णिमा के परम पावन अमृत योग में प्रथम बार 16 मंडलीय श्री शान्तिनाथ महामण्डल विधान एवं विश्वशान्ति मंत्रानुष्ठान का भव्य आयोजन परम श्रद्धेय, मंत्र महर्षि, धर्मयोगी संत (डॉ.) क्षुल्लक श्री 105 योग भूषण जी महाराज के पावन सान्निध्य में भक्तिभाव सहित किया गया। मूलनायक श्री शान्तिनाथ भगवान की मनोहारी प्रतिमा का प्रथम अभिषेक ज्ञान चंद जैन (रानी बाग), वृहद् शान्तिधारा राजकुमार जैन (श्रीनगर) एवं राजेश जैन (विवेकानंदपुरी) तथा महायज्ञनायक रमेश चंद जैन (राजा पार्क) को बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पं. विवेक जैन शास्त्री के विधानाचार्यत्व में समस्त मांगलिक क्रियाएं विधि-विधान पूर्वक संपन्न हुईं। नित्य-नियम पूजन के पश्चात मंडल प्रतिष्ठा की गयी जिसमें श्रीमती ममता जैन सेठी (रानी बाग), श्रीमती काकाली जैन बड़जात्या (रानी बाग), श्रीमती सुमन जैन (श्रीनगर) एवं श्रीमती सुनीता जैन (श्रीनगर) को चतुष्कोण कलश तथा श्रीमति हीरादेवी जैन बड़जात्या (रानी बाग) को मुख्य कलश विराजमान करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। युवा मंडल द्वारा क्षुल्लक श्री के पाद प्रक्षालन तथा सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा शास्त्र भेंट किया गया। श्री शान्तिनाथ कथा के माध्यम से क्षुल्लक श्री ने अपनी ओजस्वी वाणी द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को श्री शान्तिनाथ भगवान के जीवन से अवगत करवाया। शरद पूर्णिमा का ज्योतिषीय मुहूर्त मंत्र साधना व सिद्धि के लिए विशिष्ट लाभकारी है। क्षुल्लक श्री ने आगे बताया कि शरद पूर्णिमा पर चन्द्रमा अपनी समस्त कलाओं के साथ आकाश से धरती पर अमृत की वर्षा करता है जिसमें स्नान करने से अभूतपूर्व आनंद कीअनुभूति होती हैं। समीर जैन (प्रचार मंत्री) ने बताया कि इस शुभ संयोग पर पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जन्म, पूज्य आचार्य श्री अतिवीर जी मुनिराज का एलाचार्य पद प्रतिष्ठापन, गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी का जन्म तथा अतिशय क्षेत्र बड़ागांव में अनुपम कृति त्रिलोक तीर्थ का शिलान्यास जैसे अद्वितीय कार्य संपन्न हुए हैं। विधान का समापन सर्वतोभद्र मंत्रानुष्ठान से हुआ।

आचार्यश्री के अवतरण दिवस पर गरबा प्रतियोगिता का आयोजन

इंदौर. शाबाश इंडिया। पंचवालयति मंदिर मे शरद पूर्णिमा पर महामहिम आचार्यश्री विद्यासागर जी के अवतरण दिवस पर गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राजेश जैन दद्दू ने बताया कि निर्णायको द्वारा

प्रथम स्थान पंचवालयति मंदिर टीम, द्वितीय अहिंसा ग्रुप स्कीम 78 टीम एवम तीसरे स्थान पर महालक्ष्मी नगर टीम आई। कार्यक्रम मे विशेष रुप से सामाजिक संसद अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, कार्यक्रम के अध्यक्ष मनोज बाकलीवाल, डी के जैन (डी एस पी), आनंद गोधा, राजेश जैन, विनोद जैन, राजेन्द्र तुलसी नगर, अनिल ईटको, चंद्रेश जैन, राजीव निराला, बीरेन्द्र, गोरव जैन, विपिन जैन, प्रदुमन जैन, राहुल तिलक नगर, अजित इंजीनियर, सुनील, आशीष जैन, लाल चंद, सुरेश एवम अनेक समाज श्रेष्ठी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति अनामिका मनोज बाकलीवाल ने किया। मंगला चरण एवम निर्णायक श्रीमति सीमा अजीत जैन एवं आभार ब्रह्मचारी सुरेश मलैया ने माना। यह जानकारी संजय जैन अहिंसा ने दी।

आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज के 35 वें दीक्षा दिवस समारोह

आर्यिका 105सौम्यनंदिनी माताजी के पावन सानिध्य में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर झोटवाड़ा जयपुर में आयोजित

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान) की प्रांतीय कार्यकारिण का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जयपुर। शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर झोटवाड़ा में आर्यिका105, सौम्यनंदिनी जी माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज का 35 वां दीक्षा दिवस मनाया गया। राजीव पाटनी व पवन पांड्या ने बताया कि कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत के पदाधिकारियों तथा झोटवाड़ा सकल दिगम्बर जैन समाज की अगुवाई में आचार्य श्री का विभिन्न कार्यक्रमो के तहत अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर 35 वा दीक्षा दिवस मनाया गया । कार्यक्रम में आचार्य 108 श्री वसुनंदी जी महाराज की पावन प्रेरणा से उनके दिशानिदेर्शानुसार अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत की कार्यकारिणी बनाने की घोषणा की गई तथानव गठित धर्म जागृति संस्थान राजस्थान का प्रान्त काअध्यक्ष पदम बिलाला को बनाया गया तथा कार्यकारिणी का गठन कर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने का आशीर्वाद दिया। अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने अवगत कराया कि उक्त संस्थान का उद्देश्य धर्म बचाओ -धर्म सिखाओ है तथा समाज के द्वारा धर्म में आ रही शिथिलता को दूर करना, समाज में विघटन एकता के सूत्र में लाना, , बिना किसी संत पन्त क्षेत्र वाद के साधु संतों के आहार विहार को सरल बनाना, ओर धर्म की रक्षार्थ हेतु आगे आना तथा समाज सुधार कैसे किया जाए, नवयुवको को धर्म से जोड़ कर संस्कारित करना व जैन

पाठशालाऐं खुलवाकर धर्म की प्रवाहना बढ़ाने हेतु सबको प्रोत्साहित करना आदि। नव गठित कार्यकारिणी में शांति कुमार ममता सोगानी जापान, विरेन्द्र जैन अजमेर, रश्मि कांत सोनी जयपुर, रमेश चन्द गर्ग बोलखेड़ा, जे के जैन साहब कोटा वाले,शेलेन्द्र गोधा समाचार जगत जयपुर,राजेश गंगवाल लालसोट, प्रेमचंद छाबड़ा दौसा, ज्ञान चंद जैन भौंच बस्सी, तथा विमल कुमार जैन बाकलीवाल जयपुर झोटवाड़ा को संरक्षक बनाया गया है।इसी कड़ी में अध्यक्ष पदम जैन बिलाला जनकपुरी जयपुर, कार्याध्यक्ष अनिल कुमार जैन पूर्व आई।पी।एस, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार चौधरी जयपुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव जैन लाखना वाले, महामंत्री सुनील कुमार पहाड़िया थडी मार्केट जयपुर, सह।महामंत्री संजय बडजात्या कामां, मंत्री राजीव कुमार पाटनी झौटवाडा, कोषाध्यक्ष पंकज कुमार लुहाड़िया थडी मार्केट जयपुर, तथा सह।कोषाध्यक्ष महेश काला जनकपुरी जयपुर को बनाया गया है। निर्मल कासलीवाल, जोधपुर, सुभाष पहाड़िया कुचामन, प्रकाश जैन टोंक, टीकम चंद जैन धौलपुर, कुंदनमल जैन अजमेर, ज्ञानेंद्र कुमार जैन जहाजपुर भीलवाड़ा, जयंतीलाल जैन उदयपुर, झम्मन लाल जैन राजाखेड़ा, मुकेश जैन अलवर, हरक चंद जैन हमीरगढ़,चैनसुख शाह भीलवाड़ा,सुमत प्रकाश जैन महुआ, पंकज नवलखा जयपुर, अरुण शाह जयपुर गायत्री नगर, भागचंद जैन मित्रपुरा वाले दुर्गापुरा, कमल दीवान जयपुर, विनोद जयपुरिया सीकर सभी उपाध्यक्ष तथा पी।आर। ओ सुनील कुमार सेठी मालपुरा,,धन कुमार जैन जनकपुरी, राकेश श्रीमाल बनाये गये है। राकेश गोदिका शाबाश इंडिया जयपुर, अंकुर जैन अलवर, हर्षित जैन राजस्थान पत्रिका जयपुर तथा राजा बाबु गोधा जैन गजट संवाददाता राजस्थान फागी को प्रचार प्रसार मंत्री बनाया गया है। पूरे राजस्थान से एक सो एक कार्यकर्ताओं की नयी कार्यकारिणी को आर्यिका सुयोग्य नन्दनी माताजी ने आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में निर्मल पांड्या, पवन पांड्या, धीरज पाटनी, प्रमोद मुंडोता, सुगन जैन, कमल चंद जैन सहित सारे पदाधिकारी मोजूद थे।

मधुमेह कंट्रोल कम करने में बेहद फायदेमंद है इंसुलिन का पौधा

इंसुलिन एक ऐसा पौधा है जिसकी पत्तियां चबाकर आप काफी हद तक अपना शुगर कंट्रोल कर सकते हैं। इंसुलिन एक ऐसा पौधा है जिसकी पत्तियां चबाकर आप काफी हद तक अपना शुगर कंट्रोल कर सकते हैं। इंसुलिन के पत्ते को चबाने से शरीर के मेटाबालिक प्रोसेस बेहतर होता है। इस पौधे में मौजूद प्राकृतिक रसायन इंसान के शरीर की शुगर को ग्लाइकोजेन में बदल देता है जिससे मधुमेह पीड़ितों को फायदा होता है। सिर्फ शुगर ही नहीं, खांसी, जुकाम, स्किन इंफेक्शन, आंखों का इंफेक्शन, फेफड़ों की बीमारियां, दमा, गर्भाशय संकुचन, दस्त, कब्ज आदि बीमारियों में भी इंसुलिन के पौधे का इस्तेमाल किया जाता है। मधुमेह यानी डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देती है जिससे कई तरह की बीमारियां शरीर को अपनी चपेट में ले लेती हैं। ऐसे में इंसुलिन एक ऐसा पौधा है जो डायबिटीज पर लगाम लगाने में काफी प्रभावी है। एनसीबीआई के मुताबिक,

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय
राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

इंसुलिन के पत्ते की मदद से ब्लड शुगर को कंट्रोल किया जा सकता है औरा टाइप-2 डायबिटिज की समस्या का इलाज किया जा सकता है। बता दें कि इस पौधे में इंसुलिन नहीं होता और ना ही शरीर में यह इंसुलिन बनाता है, लेकिन इस पौधे में मौजूद प्राकृतिक रसायन शुगर को ग्लाइकोजेन में बदल देते हैं जिससे उपापचय की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है।

क्या है इंसुलिन का पौधा

इंसुलिन एक ऐसा पौधा है जिसकी पत्तियां चबाकर आप काफी हद तक अपना शुगर कंट्रोल कर सकते हैं। इंसुलिन प्लांट्स का आयुर्वेद में काफी महत्व है। इसका वैज्ञानिक नाम कोक्टस पिक्टस है और इसे क्रेप अदरक, केमुक, कुए, कीकंद, कुमुल, पकरमुला और पुष्करमूला जैसे नामों से भी जाना जाता है। स्वाद में इसकी पत्तियों का टेस्ट खट्टा होता है। आयुष विभाग में एक शोध के अनुसार इंसुलिन के पत्ते को चबाने से शरीर के मेटाबालिक प्रोसेस बेहतर होता है।-इस पौधे में मौजूद प्राकृतिक रसायन इंसान के शरीर की शुगर को ग्लाइकोजेन में बदल देता है जिससे मधुमेह पीड़ितों को फायदा होता है-सिर्फ शुगर ही नहीं, खांसी, जुकाम, स्किन इंफेक्शन, आंखों का इंफेक्शन, फेफड़ों की बीमारियां, दमा, गर्भाशय संकुचन, दस्त, कब्ज आदि बीमारियों में भी इंसुलिन के पौधे का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इस तरह करें इस्तेमाल

इंसुलिन के पौधे की दो पत्तियों को धोकर आप पीस लें। अब एक गिलास पानी में इसे घोलकर सुबह-शाम नियमित रूप से सेवन करें। इसके नियमित सेवन से डाइबिटीज की बीमारी में सुधार दिखने लगता है। इंसुलिन का पौधा आप साल भर कभी भी लगा सकते हैं। यह एक झाड़ीनुमा पौधा होता है जिसकी ऊंचाई ढाई से तीन फीट तक होती है। बरसात के सीजन में इसकी पौध लगाना सबसे आसान माना जाता है। आप घर पर गमले में खाद और मिट्टी को सही अनुपात में डालकर इसे लगाएं और पानी देते रहें।

ये संसार धर्म के लिए समय नहीं देगा, समय तो हमें निकालना पड़ेगा:समकितमुनिजी

काम भोग से सुख क्षण भर का, दु:ख लंबे समय का

उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना का 13 वां दिन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन तभी सफल हो पाएगा जब हमारा समय धर्म में बीतेगा। वो समय फेल हो जाता जो अधर्म में बीतता है। धर्म में बीतने वाले पल सफल होते है। बहुत से लोग बोलते है अभी समय नहीं है जब समय मिलेगा तब धर्म कर लेंगे।ऐसे लोग भूल जाते है कि ये संसार कभी धर्म के लिए समय नहीं देता हम कभी फ्री महसूस नहीं करेंगे लेकिन आत्मकल्याण चाहते है तो धर्म के लिए समय हमे ही निकालना पड़ेगा। ये विचार श्रमणसंघीय सलाहकार सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में मंगलवार को परमात्मा भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना ह्यह्यआपकी बात आपके साथह्नह्न के 13 वें दिन व्यक्त किए। इसके तहत आगम के 36 अध्यायों में से 14 वें अध्याय इषुकारीय का वाचन करने के साथ इसके बारे में समझाया गया। उन्होंने कहा कि समझदार लोग धर्म के लिए समय निकाल लेते है और नासमझ लोग समय नहीं होने का राग अलापते रहते है। जीवन क्षणभंगुर है किसे पता हमारा कितना समय बाकी है। अच्छे कर्म करें ताकि कभी भी आयुष्य पूर्ण हो जाए तो सद्गति मिल सके। मुनिश्री ने कहा कि पुत्र का मोह नहीं रखे क्योंकि किसे पता पुत्र हमे सद्गति देगा या हमारी दुर्गति करेंगा। रिश्ता धर्म का होने पर पुत्र साता पहुंचाएगा और रिश्ता काम का होने पर पुत्र दु:खकारी होंगा। काम भोग क्षण भर का सुख देता है लेकिन दु:ख लंबे समय तक भोगना पड़ता है। काम भोग अनर्थ की खान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अधिकतर लोग परिवार में सुख शांति की कामना से धर्म करते है। कई लोग मानते है कि बिना धन धर्म नहीं हो सकता जबकि अब भी सामायिक, तप साधना आदि ऐसे धर्म है जिनमें कोई खर्च नहीं है। वर्तमान माहौल बदल गया है ओर अब तो बिना धन चातुर्मास भी नहीं हो सकते। शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। लक्की ड्रॉ के माध्यम से भाग्यशाली श्रावक-श्राविकाओं को प्रभावना में चांदी के सिक्के लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रदान किए गए। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया। मुनिश्री ने कहा कि घर की शोभा व रौनक बच्चों से होती है। वह घर गुलजार रहता है जिसमें बच्चें होते है। अब घर की रौनक हॉस्टल पहुंच जाती है और घर सूने हो जाते है। जिस घर में बच्चों की रौनक व खिलखिलाहट नहीं हो वह घर नहीं होकर श्मसान समान होता है। उन्होंने कहा कि संयम साधना के लिए कोई उम्र नहीं होती जब भावना हो जाए तभी शुरू कर देनी चाहिए।

सामग्री वेस्टज नहीं करना भी धर्म

पूज्य समकित मुनिजी ने कहा कि श्रावक का धर्म है किसी भी चीज का उपयोग तो करे लेकिन उसे बर्बाद नहीं करें। वर्तमान में ई-वेस्टेज सबसे बड़ी चुनौती बन रहा है और इस समस्या का अभी समाधान भी नहीं मिला है। किसी भी तरह का वेस्टेज करना अधर्म में आता है श्रावकों को संकल्प करना चाहिए कि घर में ऐसी सामग्री का उपयोग करेगा जो बार-बार कार्य आ सके। पॉलीथिन का उपयोग न्यूनतम करें, पॉलीथिन का कचरा भी समाज व सरकार के लिए बड़ी समस्या है।

महावीर निर्वाण कल्याणक पर तेला तप आराधना 22 से

पूज्य समकितमुनिजी म.सा. ने बताया कि भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में तेला तप आराधना 22 अक्टूबर से शुरू हो रही है। अधिक से अधिक श्रावक-श्राविकाओं को इसमें सहभागिता निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी श्रावक-श्राविकाएं तेला तप आराधना करना चाहे वह भवान्त मुनिजी म.सा. एवं महिला मंडल की मंत्री सरिता पोखरना से सम्पर्क कर कूपन प्राप्त कर सकते है। धर्मसभा में पूज्य समकितमुनिजी म.सा. ने महावीर युवक मंडल सेवा संस्थान के मंत्री अनुराग नाहर के जैन कॉन्फ्रेंस जीवन प्रकाश योजना के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष बनने एवं प्रकाश आंचलिया के योजना का राष्ट्रीय युवा मंत्री बनने पर उनको बधाई देते हुए दोनों के प्रति मंगलकामनाएं व्यक्त की। नाहर एवं आंचलिया ने पूज्य समकितमुनिजी व अन्य संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

गौ माता भोग प्रसादी का आयोजन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया।

जयपुर। श्री श्याम गो सेवा समिति सेवा द्वारा गौ माता को भोग प्रसादी प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस दौरान 600 किलो, आयुर्वेदिक बांटा और 251 किलो पालक आदि गायों को खिलाया गया। ग्रुप समिति एडमिन मुकेश साहू ने बताया कि 10अक्टूबर को भोग प्रसादी प्रोग्राम के लिए समिति सदस्य द्वारा शाम 5:00 बजे धर्माथ गौशाला पचेवर के लिए प्रस्थान किया जहां लगभग 300 गौमाताओं को भोग प्रसादी खिलाई गई। भोग प्रसादी में खल, सटर्ली बंटा, काकड़ा गुड, आयुर्वेदिक दवाई में पीसी हुई अजवाइन, पीसी हुई हल्दी मेथी, स्नाय पत्ती, मुलेठी, आवला पाउडर, कालीमिर्च आदि सामग्री दी गई वही सेवा ग्राम व आसपास की घायल बेसहारा 70 से 80 गौ माता को भी प्रसादी खिलाई गई और घायल गौ माता के घावों पर पटिया की गई।समिति एडमिन मुकेश साहू के जन्मदिन के उपलक्ष पर साहू के पिता हनुमान साहू द्वारा हरी सब्जी में 251किलो पालक गौ माता को खिलाया गया। श्रमदान टीम में मुकेश साहू, लखन दास स्वामी, गणेश सैनी,राहुल सैनी, भंवरलाल बागड़ी,भवर खारोल, घनश्याम जांगिड़,संजय माली, मनीष सैनी आदि ने अपना श्रमदान किया।

जैन सोश्यल ग्रुप सिद्धा द्वारा बच्चों को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप सिद्धा परिवार की और से सेवार्थ कार्यक्रम की कड़ी मे ग्रुप के दंपत्ति सदस्य दीपक - अतिशा सेठी एवं राकेश - सुनीता सोगानी ने अतिशा सेठी की माताजी की पुण्यतिथि पर बच्चों को भोजन कराया ।संस्थापक अध्यक्ष धीरज पाटनी ने बताया कि दिनांक 10 अक्टूबर 2022 को सांय 6:15 बजे सेवार्थ कार्यक्रम के अंतर्गत आंचल बालिका गृह, वैशाली नगर जयपुर मे बच्चों को बैठकर भोजन कराया गया।